

राहत | पेट्रोकेमिकल कच्चे माल पर कस्टम ड्यूटी हुई शून्य, कच्चा माल सस्ता होने से कीमतें घटेंगी, औद्योगिक संगठनों ने जताई खुशी

औद्योगिक क्षेत्रों में लौटेगी रौनक, घटेगी उत्पादन लागत

लखनऊ, वसं। केंद्र सरकार ने केमिकल्स और मैनुफैक्चरिंग क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए कई पेट्रोकेमिकल कच्चे माल पर कस्टम ड्यूटी को शून्य कर दिया है। इससे प्लास्टिक, पैकेजिंग सहित कई इंडस्ट्री को फायदा मिलेगा। औद्योगिक संगठनों के मुताबिक कच्चा माल सस्ता होने से उत्पादन लागत घटेगी, जिसका सीधा लाभ एफएमसीजी और ई-कॉमर्स कंपनियों को पहुंचेगा, उपभोक्ताओं को भी कम कीमतों के उत्पाद मिलेंगे।

वैश्विक तनाव के कारण पेट्रोकेमिकल फीडस्टॉक की सप्लाई एक महीने से बाधित थी। इससे राजधानी के सरोजनीनगर, नादरगंज, तालकटोरा और चिनहट औद्योगिक क्षेत्र की इकाइयों में उत्पादन लागत 70 फीसदी तक बढ़ गई थी। प्लास्टिक, पैकेजिंग, फार्मा सहित

फार्मास्युटिकल और टेक्सटाइल को भी लाभ

पेट्रोकेमिकल इंटरमीडिएट्स, पॉलिमर, रेजिन, स्पेशलिटी केमिकल्स के बेसिक कंपोनेंट्स और फार्मा क्षेत्र में उपयोग होने वाले कुछ एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रीडिएंट्स (एपीआई) के इनपुट पर आयात शुल्क को समाप्त किया गया है। पहले इन पर 5 से 10 प्रतिशत तक कस्टम ड्यूटी लगती थी, जो अब कई मामलों में पूरी तरह खत्म कर दी गई है। दवाओं के निर्माण में उपयोग होने वाले कच्चे माल की कीमत घटने से कंपनियों की लागत कम होगी, जिससे सस्ती दवाएं मिलने की संभावना बढ़ेगी। वहीं टेक्सटाइल और ड्राई उद्योग को भी लाभ मिलेगा। कपड़ा उत्पादन में इस्तेमाल होने वाले प्रोसेसिंग केमिकल्स और ड्राई सस्ते होने से उत्पादन लागत में कमी आएगी।

इन क्षेत्रों को सर्वाधिक फायदा होगा

- प्लास्टिक और पैकेजिंग: कच्चे माल के दाम गिरने से पैकेजिंग सस्ती होगी
- फार्मा और केमिकल्स: दवा निर्माण में इस्तेमाल वाली रसायनों की लागत कम होगी



लखनऊ में 04 औद्योगिक क्षेत्र हैं

750

औद्योगिक इकाइयां हैं लखनऊ में

30

जून 2026 तक लागू रहेगी छूट इन उत्पादों पर मिलेगी छूट

- कच्चा माल : मेथनॉल, टोल्यूनि, स्टाइरीन, विनाइल क्लोराइड मोनोमर, फिनोल, एसिटिक एसिड और शुद्ध टेरैफ्थैलिक एसिड
- पॉलिमर्स और प्लास्टिक : पॉलीथीन, पॉलीप्रोपाइलीन, पॉलीस्टाइनिन, पीवीसी और पीईटी चिप्स
- स्पेशियलिटी केमिकल्स : एपॉक्सी रेजिन, पॉलीयुरेथेन और फॉर्मल्डेहाइड डेरिवेटिव्स

अन्य सेक्टर में 60 फीसदी उत्पादन हो रहा था। उद्यमियों को काफी नुकसान झेलना पड़ रहा था। आम ग्राहकों को भी महंगा सामान खरीदना पड़ रहा है।

जिसके बाद केंद्र सरकार ने पेट्रोकेमिकल्स प्रोडक्ट पर कस्टम ड्यूटी शून्य कर दी है। ताकि सप्लाई स्थिर हो सके और निर्माण कार्य न रुके। वहीं

पॉलिमर और रेजिन जैसे कच्चे माल सस्ते होने से प्लास्टिक उत्पादों की लागत घटेगी, जिसका लाभ एफएमसीजी और ई-कॉमर्स कंपनियों तक पहुंचेगा।